

**जीवन-तरु** पुं. (तत्.) जीवन रूपी वृक्ष।

**जीवन दर्शन** पुं. (तत्.) जीवन विषयक सिद्धांत, जीवनयापन के आदर्श।

**जीवनदान** पुं. (तत्.) प्राणदान।

**जीवनधन** पुं. (तत्.) 1. जीवन का सर्वस्व 2. प्राणों का आधार 3. प्यारा, प्राणप्रिय।

**जीवनधर** वि. (तत्.) 1. जीवन का आधार, प्राणाधार 2. जीवन रक्षक, जीवनदाता 3. बादल, जलधर।

**जीवन बूटी** स्त्री. (तत्.) 1. संजीवन 2. अति प्रिय वस्तु अथवा व्यक्ति।

**जीवन-मरण** पुं. (तत्.) जीना और मरना, जीवन और मरण।

**जीवनमुक्त** वि. (तत्.) जीवन के सभी बंधनों से मुक्त, सांसारिकता से छुटकारा पाया हुआ, परमात्मा से साक्षात्कार करने वाला।

**जीवनमुक्ति** स्त्री. (तत्.) जीवन के कर्म बंधनों से छूट कर मुक्त होने की स्थिति या दशा, परमात्मा से साक्षात्कार की स्थिति, जीवन में कर्मबंधनों से मुक्त हो जाने की दशा।

**जीवनयापन** पुं. (तत्.) जीवन-निर्वाह, जीवन व्यतीत करना, जिंदगी चलाने के लिए भोजन, वस्त्र, निवास आदि से संबंधित व्यवस्था, जीवन-संचालन।

**जीवन वृत्त** पुं. (तत्.) जीवनी, जीवन चरित, जीवन वृत्तांत।

**जीवन वृत्तांत** पुं. (तत्.) जिंदगी का ब्यौरा, जीवन-चरित्र, जीवनी, जिंदगी, जीवन में घटित सभी घटनाओं का वर्णन या विवरण।

**जीवनवृत्ति** स्त्री. (तत्.) आजीविका, रोजी।

**जीवन-संग्राम** पुं. (तत्.) 1. जीवन के संघर्षों में जीवन-यापन 2. जीवन-संघर्ष 3. जीवन-संघर्षों को झेलकर आगे बढ़ने का प्रयास।

**जीवनहार** पुं. (तत्.) जीवन हरण करने वाला परमतत्त्व वि. 1. जीवन हरने वाला 2. पानी पीने वाला।

**जीवन-हेतु** पुं. (तत्.) जीविका, आजीविका, रोजी।

**जीवनांत** पुं. (तत्.) जीवन की समाप्ति, मृत्यु, मौत।

**जीवनांतर** क्रि.वि. (तत्.) जीवन के अनंतर या जीवन के बाद।

**जीवना** स्त्री. (तत्.) महौषध, जीवन्ती बेल या लता।

**जीवनाघात** पुं. (तत्.) 1. जीवन पर आघात, प्राणाघात 2. विष, प्राणघाती जहर।

**जीवनाधार** पुं. (तत्.) जीवन का आधार, जीने का सहारा।

**जीवनार्ह** पुं. (तत्.) दूध, अन्न।

**जीवनावस** पुं. (तत्.) जीवन का आवास 1. शरीर, देह 2. वरुण।

**जीवनिकाय** पुं. (तत्.) जीवों का समूह, जीव-समूह।

**जीवनिशा (जीवनिका)** स्त्री (तत्.) हरड़, हरीतिका।

**जीवनी** स्त्री. (तत्.) जीवन वृत्तांत, जिंदगी का हाल, जीवन-चरित।

**जीवनीय** वि. (तत्.) 1. जीवनप्रद 2. बरतने योग्य।

**जीवनीया** वि. (तत्.) जीवन्ती लता।

**जीवनोत्तर** वि. (तत्.) जीवन के बाद का, जीवन के बाद की।

**जीवनोत्सर्ग** पुं. (तत्.) जीवन की बलि, जीवन का बलिदान, जीवनदान।

**जीवनोपाय** पुं. (तत्.) 1. जीवन की रक्षा के उपाय, जीवनौषधि 2. जीविका, रोजी।

**जीवनौषध** पुं. (तत्.) संजीवनी औषध, जिंदा रखने वाली दवा।

**जीवन्मृत** वि. (तत्.) जिसका मरना और जीना दोनों समान हो।